भीमबेटका रॉक पेंटगि और आश्रय पर हुआ वेबनिार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ल्ड हेरटिेज साइट और वशि्व की सबसे पुरानी रॉक पेंटगि में से एक भीमबेटका रॉक पेंटगि और आश्रय पर वेबनिार आयोजति कयिा गया।

प्रमुख बदिु

इस वेबनिार में देश और प्रदेश के गाइड, पुरातत्त्ववदि् तथा इतहिास प्रेमयिों ने हसि्सा लयिा।

- वेबनिार में सेंट्रल इंडयिा के रीजनल गाइड भोपाल के अजय सहि चौहान ने बताया कभिीमबेटका रॉक पेंटगि में 4 कलर (लाल, सफेद, हरा और पीले) का उपयोग कयिा गया है। ये सभी कलर पत्तयिाँ, पत्थर, हेमेटाइट आदपि्राकृतकि स्रोतों से बनाये गए हैं।
- भीमबेटका में नृत्य और संगीत, बॉडी आर्ट, आखेट और पशुओं को चत्तिरति कयिा गया है। इस प्रकार की पेंटगि्स को पकि्टोग्राफ कहा जाता है।
- भीमबेटका रॉक पेंटगि और आश्रय में मानव जीवन की यात्रा चत्तिरति की गई है, जसिमें जीवन की दनि-प्रतदिनि की गतविधियिाँ, पशु, आखेट, जंगल में उपयोगी चीज़ें एकत्रति करना आददिखिाया गया है।
- उल्लेखनीय है कभिीमबेटका रॉक पेंटगि और आश्रय भारत में यूनेस्को की वशि्व धरोहर रॉक साइट है। यह प्रागैतहिासकि रॉक पेंटगि और रॉक शेल्टर के लयिे बहुत लोकप्रयि है।
- आर्कयिोलॉजकिल सर्वे ऑफ इंडयिा की कार्बन डेटगि प्रक्रयिा के अनुसार भीमबेटका की रॉक पेंटगि 30 से 35 हज़ार वर्ष पुरानी है। प्रसद्धि पुरातत्त्ववदि् वषि्णु श्रीधर वाकणकर ने 1957-58 में नागपुर की यात्रा के दौरान वधि्य पर्वत श्रेणी में भीमबेटका की खोज की थी।
- हाल ही में जयिोलॉजकिल सर्वे ऑफ इंडयिा की टीम ने भीमबेटका से एक फॉसलि की खोज की है, जो करीब ढ़ाई करोड़ वर्ष पुराना है। इस प्रकार के फॉसलि यूक्रेन, रूस और चीन में भी मलिे हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/webinar-on-bhimbetka-rock-painting-and-shelter